

निष्प्रभावन पुं. प्रशा. 1. किसी कार्य, योजना या किसी राजकीय आदेश का निरस्तीकरण, रद्दीकरण, अभिशून्यन 2. निराकरण 3. विलोपन।

निष्प्रभावी वि. (तत्.) 1. जो किसी प्रकार के प्रभाव से रहित हो 2. बिना प्रभाव वाला, असर न डालने वाला।

निष्प्रभावी दर स्त्री. (तत्.) व्याज की वह दर जो अब प्रभावी न रही हो।

निष्प्रभावी मुद्रा स्त्री. (तत्.) 1. अप्रभावित वह मुद्रा जिसके बाजार में आ जाने से अर्थव्यवस्था अप्रभावित रहती है 2. रोजगार आदि को प्रभावित न कर सकने वाली आगत मुद्रा।

निष्प्रयोजन वि. (तत्.) 1. प्रयोजन रहित, बिना प्रयोजन के प्रारंभ किया हुआ, निरुद्देश्य 2. निरर्थक, व्यर्थ, बेमतलब 3. क्रि.वि. बिना प्रयोजन के, बेमतलब का।

निष्प्रवाह जल पुं. (तत्.) 1. ठहरा हुआ जल, प्रवाह रहित जल 2. सागर का स्थिर जल, निश्चल जल।

निष्प्रवाह हिम पुं. (तत्.) स्थिर हिम पट्टिकाओं से निर्मित ऊबड़-खाबड़ स्थान, निष्प्रवाह हिम या डेड आइस।

निष्प्राण वि. (तत्.) 1. जिसमें प्राण न हों, निर्जीव, जड़ 2. ऊर्जा रहित बाष्प. उत्साहहीन, ओजरहित जैसे- निष्प्राण उपन्यास, निष्प्राण नाटक।

निष्फल वि. (तत्.) 1. जिसका कोई फल या परिणाम न हो, निरर्थक, व्यर्थ 2. जिस कार्य को करने में सफलता न मिले, असफल, विफल 3. फल रहित पेड़-पौधे।

निष्फल खर्च पुं. (तत्.) ऐसा व्यय जिसका फल न मिले, व्यर्थ 1. किसी सड़क के निर्माण के बाद पुनः किसी उद्देश्य से तोड़ना, फिर बनाना।

निष्फेन वि. (तत्.) झाग रहित तरल पदार्थ (दूध, तेल आदि)।

निसंबाध पुं. (तत्.) विस्तीर्ण, फैला हुआ।

निसमिषी पुं. (तत्.) मांस न खाने वाला, शाकाहारी, निरामिष भोजी।

निहंग वि. (तद्.) (सं.) निःसंग 1. एकाकी, अकेला 2. अविवाहित 3. परिवार-रहित 4. लज्जाहीन पुं. 1. जिसे वैराग्य हो गया हो, वैरागी, साधु 2. सिखों के 'कूका' संप्रदाय का अनुयायी व्यक्ति 3. वि. (देश.) जो अत्यधिक लाड़ या दुलार से उद्धंड एवं स्वेच्छाचारी हो गया हो।

निहंता वि. (तत्.) 1. हत्या करने वाला, मारने वाला 2. विनाशक, नष्ट करने वाला।

निहत वि. (तत्.) 1. मृत, मृत्यु को प्राप्त 2. विनष्ट, जिसका नाश हो गया हो।

निहत्या वि. (तद्.) अस्त्र-शस्त्र से रहित हाथ वाला, आयुध-हीन, निरस्त्र 2. साधनविहीन 3. रिक्त-हस्त, जिसके हाथ खाली हों।

निहनना स.क्रि. (तत्.) मार डालना, वध करना।

निहाई स्त्री. (तद्.) लौहकारों (लुहारों) तथा स्वर्णकारों के उपयोग में आने वाला एक उपकरण जिस पर वे गर्म लोहे तथा सोने को रखकर, उस पर प्रहार कर उसे आवश्यकतानुरूप स्वरूप प्रदान करते हैं।

निहाना स.क्रि. (तद्.) 1. मारना 2. नष्ट करना 3. दबाना पुं. बढ़ई के काम आने वाला एक उपकरण जिसकी सहायता से वह लकड़ी में चौकोर छिद्र करता है, बेंटे से युक्त इस उपकरण में लोहे की मोटी, चौड़ी एवं लंबी पत्ती लगी रहती है, जो एक ओर से सपाट तथा दूसरी ओर से कुछ गोलाई लिए होती है। छोटे तथा पतले 'निहाना' को निहानी कहते हैं।

निहार पुं. (तद्.) ठंड के दिनों में हवा में मिले हुए अतिसूक्ष्म कणों से बना हुआ बादल जो जमीन की सतह तक फैल जाता है और जिसके दूसरी ओर कुछ दिखाई नहीं पड़ता, नीहार, कुहरा, कोहरा, धुंध टि. जब निहार अत्यंत गहरा होता है तो 'पाले' के रूप में फसल को नष्ट कर